JITO की प्रदर्शनी में दिखा लोगों का वैज्ञानिक जैन शोध में उत्साह

जयपुर. शाबाश इंडिया

6 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित 'जीतो कनेक्ट 2023' की प्रदर्शनी हॉल न. 2 में आयोजित की गई। इसमें एक बूथ (न.143) 'जैन अकेडमी ऑफ स्कोलर्स' का भी रहा जिस पर आगंतुकों का अच्छा उत्साह दिखा । इस संस्था का रजिस्टर्ड ऑफिस अहमदाबाद में है। यह संस्था पिछले तीन वर्षों से कार्यरत है तथा इसमें देश-विदेश के लगभग 80 जैन वैज्ञानिक, डॉक्टर, प्रोफेसर और विद्वान जुड़े हुए हैं. संस्था के अध्यक्ष प्रसिद्ध इसरो वैज्ञानिक डॉ नरेंद्र भंडारी तथा सेक्रेटरी डॉ सुरेंद्र सिंह पोखरना हैं। संस्था के जोइंट सेक्रेटरी डॉ अनिल कुमार जैन (जयपुर) ने बताया कि दुनियाँ में अनेक ऐसी खोज हो रही हैं जिनका सीधा संबंध जैन सिद्धांतों से है। सन् 2016 तथा 2018 में दो नोबल पुरस्कार रात्रि भोजन त्याग और लम्बे उपवासों से संबंधित थे। जैन धर्म के अनेक सिद्धांत वैज्ञानिकों को कुछ नई दिशा प्रदान करने में सक्षम है। लेकिन हम जैनों की यह कमी रही कि हम उन्हें विश्व पटल पर अपेक्षित तरीके से रख नहीं सके। इस संस्था का उद्देश्य है कि ऐसे वैज्ञानिक सिद्धांतों को विश्व के समक्ष रखें तथा जैन धर्म को विज्ञान की भाषा में प्रस्तुत किया जाये. वरिष्ठ सदस्य डॉ सुषमा सिंघवी ने बताया कि अकादमी के सदस्यों द्वारा अनेक पुस्तकें लिखी गई हैं जिनमें जैन दर्शन के सैद्धान्तिक और व्यवहारिक विषयों की वैज्ञानिक दृष्टिकोण से व्याख्या की गई है, जो आज अत्यंत प्रासंगिक हैं। निखिल शाह, पूर्वी दवे और उदयन मकवाना ने विस्तार से बताया कि यह संस्था अहिंसा के प्रचार के कार्य में भी संलग्न है।